

5th/24

पगबली जेठ २२)
 वकील मज जाचीगण को नाए नाए कागने
 दिली गई। काज वकील मज जाचीगण विर
 कोई प्रचन १ इतिहा के मड-रई हूँ मड-रई कि
 जाचीगण मज हानगण बाड मड-पेरी) अदर हाजरी
 में रजरीत किता जाका हूँ जज। फौज सुगाए देन
 मजबूत कि काज हूँ बाड नमपील जाका मदिगल
 दकरल लेरल मजका जाका हूँ

जज-अधिकारी एवं पंजी
 सलम अदर, जेठ २४

(Faint blue ink stamps and text at the bottom of the page, including what appears to be a date '5/24' and some illegible text.)